



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

800
21/11

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 453] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 29, 1989/ भाद्र 7, 1911
No. 453] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 29, 1989/BHADRA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विदेश मंत्रालय

राजस्व विभाग

सूचिका

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1989

विदेश यात्रा कर

या.का.वि. 791 (अ) -केंद्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 36 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान है कि ऐसा करना आवश्यक और समीचीन
है, 29 अगस्त, 1989 को भारत की यात्रा पर आने वाले इस्लामी गणतंत्र ईरान के विदेश मंत्री महामहिम

2386 GI/89

(1)

[डा० अली अकबर वलायती और छठ सदस्यों के शिफ्टमंडल को उनके उक्त वारे की समाप्ति पर भारत के बाहर किसी स्थान की उनकी अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (1) के दधीन उद्ग्रहणीय विदेश यात्रा कर के संवात्से, छुट देती है।]

2. यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1989 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रवृत्त रहेगी।

[स. 25/एफ.टी.टी./89-फा. सं. 306/27/89-एफ.टी.टी.]

पी.के. जैन, अवर सचिव,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 1989

FOREIGN TRAVEL TAX

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by section 36 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient so to do, hereby exempt H. E. Dr. Ali Akbar Valayati, Foreign Minister of the Islamic Republic of Iran and six members of the delegation on their visit to India on 29th August, 1989, from payment of foreign travel tax leviable under sub-section (1) of section 35 of the said Act, in respect of their international journey to any place outside India at the end of the said visit.

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st August, 1989.

[No. 25/FTT/89—F. No. 306/27/89-FTT.]

P. K. JAIN, Under Secy.